जनपद चमोली में प्र0 ग्रा0 सड़क योजना के अन्तर्गत बकरिया बैण्ड से छिमटा तक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. ग्रामीण निर्माण विभाग (पी0एम0जी0एस0वाई0) प्रखण्ड कर्णप्रयाग के अन्तर्गत 12.00 कि0मी0 लम्बाई में बकरिया बैण्ड से छिमटा तक मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। सहायक अभियन्ता ग्रामीण निर्माण विभाग उप खण्ड कर्णप्रयाग के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निरीक्षण किया गया।

2. जनपद चमोली के गैरसैण ब्लाक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज XVI के अन्तर्गत बकरिया बैण्ड से छिमटा तक 12.00 कि0मी0 लम्बाई में मोटर मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन एन0एच0–87 कर्णप्रयाग–ज्योलीकोट मोटर मार्ग पर बकरिया बैण्ड से आरम्भ होता है। अवगत कराया गया कि मार्ग का निर्माण दो भाग में कराया जाना है, जिसमें एक भाग की लम्बाई 9.00 कि0मी0 होगी। यह भाग ग्राम बैडी तल्ली, छिमटा एवं डोल्तू को लाभान्वित करेगा। मार्ग का दूसरा भाग पहले भाग के कि0मी0 5 से आरम्भ होगा तथा ग्राम चोरडा तल्ला को जोड़ कर 3.00 कि0मी0 लम्बाई में समाप्त होगा। समरेखन अलग–अलग भाग में वन पंचायत भूमि (3.3025 है0) एवं नाप भूमि (7.7625 है0) से होकर गुजरता है। समरेखन की कुल 12कि0मी0 लम्बाई (दोनों भाग मिलाकर) में 15 हेयर पिन बैण्ड्स का प्रस्ताव है। ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ बैण्ड्स के मध्य दूरी अपेक्षाकृत कम है। अवगत कराया गया कि अन्य कोई मान्य विकल्प न होने के कारण ऐसा किया जाना आवश्यक था। समरेखन क्षेत्र मे संधियुक्त क्वार्टजाईट व फिलाईट चट्टान है। फिलाईट चट्टान कुछ वेदर्ड प्रतीत होती है। चट्टान के ऊपर ओवरबर्डन मैटेरियल का आवरण है। नाप भूमि में ढलान सामान्यतः 25^0 से 45^0 तक प्रतीत होता है जबकि वन पंचायत भाग में ढलान 60^0 तक है।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर मे वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग के निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाड़ी ढलान तीव्र है, वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ फिल टैक्नीक से सावधानीपूर्वक कराया जा सकता है।

(ii) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाया जाये।

(iii) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जायें। मार्ग पर जहां बैण्ड्स पास–पास

Scanned by CamScanner

होंगे वहां मार्ग कटान में सावधानी अपेक्षित होगी और दीवारों का निर्माण मार्ग कटान के साथ–साथ करा दिया जाये।

(iv) जिस भाग में पहाड़ के एक ही ढलान पर बैण्ड्स होने के कारण मार्ग की अनेक आर्म्स एक दूसरे के ऊपर हो जायेगी, ऐसे भाग में वर्षा काल में मार्ग पर विशेष अनुरक्षण कार्यो की आवश्यकता हो सकती है।

(v) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(vi) जहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(vii) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढ़लान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सकें

(viii) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं कास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(ix) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जाये। खड्ड साईड में फैकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(x) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4 बकरिया बैण्ड से छिमटा तक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 12.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन प्राकृतिक आपदाओं को छोड़कर वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लियें उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar 31.8.19

(Harsh Kumar)
Rel. Sr. Geologist, U.K., PWD
Empanelled in PWD, Dehradun
Mob.-9639506620

Scanned by CamScanner